बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) से संबंधित आवश्यक तथ्य एवं जानकारी

सामान्य जानकारी

- यह एक वायरस जनित पक्षियों की बीमारी है जो मुख्यतः जंगली जलिय पक्षियों में स्वाभाविक रूप से होते हैं।
- यह वायरस घरेलू मुर्गियों एवं अन्य पक्षियों एवं पशुओं को संक्रमित कर सकते हैं।
- संक्रमित पक्षी अपने लार, नाक स्राव एंव मल में वायरस को छोड़ सकते हैं जिसके सम्पर्क में आने से संवेदनशील पक्षी संक्रमित हो सकते हैं।
- सामान्यतः यह वायरस 70^0c तापमान पर नष्ट हो जाता है।

मुर्गियों में बर्ड फ्लू के मुख्य लक्षण :

- बड़े पैमाने पर मुर्गियों का मरना
- पक्षियों के सिर, ऑख, कलगी एवं गर्दन के आस–पास सुजन।
- ऑखों एवं नाक से रिसाव, कलगी और टांगों में निलापन आना, सांस लेने में परेशानी इस बिमारी के मुख्य लक्षण हैं।

मनुष्यों में फैलाव एवं लक्षण :

- यह बीमारी संक्रमित पक्षियों के संपर्क में आने से मनुष्यों में फैल सकता है।
- संक्रमित पक्षियों के मल, स्राव एवं 'श्लेष्मा आदि के संपर्क में आने से भी यह बीमारी मनुष्यों में फैल सकती है।
- मनुष्यों में बर्ड फ्लू के लक्षण सामान्य फ्लू से मिलते जुलते हैं। जैसे कि सांस लेने में परेशानी, तेज बुखार, जुकाम एवं नाक बहना, ऐसी शिकायत होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें।

बर्ड फ्लू से बचाव :

- मुर्गियों के बाड़े एवं आस–पास को साफ रखें।
- अपने पौल्ट्री फार्म को नियमित रूप से चूने अथवा कीटाणुनाशक दवाओं का छिड़काव कर संक्रमण मुक्त करते रहें।
- संक्रमित पक्षियों या मरे हुए पक्षियों के संपर्क में आने से अपने आप को बचायें एवं मृत पक्षियों का सुरक्षित निपटारा करें।
- एक बार बीमारी की पुष्टि होने पर अपने फार्म के सभी पक्षियों को मार कर उनका सुरक्षित निपटारा करें।